

Q.P. Code :36525

[Time:2 Hours]

[Marks:60]

1. “The principles of language learning facilitate the teaching of Sanskrit.” Justify with any five principles. 10
2. Illustrate the need of Diagnostic testing and Remedial teaching in Sanskrit language. 10
3. “Story Telling method makes the teaching of Sanskrit language effective” Justify with reference to the importance of the story telling method. 10
4. Explain the objectives of teaching Sanskrit at the secondary level. 10
5. “Sanskrit helps in the intellectual and emotional development of an individual.” Elaborate. 10
6. Describe the qualities necessary of an effective Sanskrit teacher. How would a Sanskrit teacher attain Professional development? 10
7. What is pathshala method? Elaborate an advantages and disadvantages of this method. 10
8. Enumerate the various competencies of language learning. Explain the strategies for developing correct pronunciation among Sanskrit students. 10
9. Attempt briefly any two of the following. 10
 - a. Strategies to develop speaking competency.
 - b. Use of Koshas in teaching of Sanskrit.
 - c. Any five internal characteristics of a Sanskrit textbook.
 - d. Merits of Inductive methods.

Q.P. Code :36525

[Time: 2 Hours]

[Marks: 60]

१. “भाषा अध्ययनाची तत्त्वे संस्कृत अध्यापन सुगम करतात.” कोणत्याही पाच तत्वांच्या संदर्भात समर्थन करा. 10
२. संस्कृत भाषेत निदानात्मक चाचणी आणि उपचारात्मक अध्यापनाची आवश्यकता सोदाहरण स्पष्ट करा. 10
३. “कथाकथन पध्दती संस्कृत भाषेचे अध्यापन प्रभावी करते.” कथाकथन पध्दतीच्या महत्त्वासंदर्भात समर्थन करा. 10
४. माध्यमिक स्तरावरील संस्कृत अध्यापनाची उद्दिष्टे स्पष्ट करा. 10
५. “व्यक्तीच्या बौद्धिक आणि भावनिक विकासात संस्कृत सहाय्य करते.” विस्तार पूर्वक लिहा. 10
६. प्रभावी संस्कृत शिक्षकाच्या गुणाचे वर्णन करा. संस्कृत शिक्षक व्यावसायिक विकास कशाप्रकारे प्राप्त करतील? 10
७. पाठशाळा पध्दती म्हणजे काय? ह्या पध्दतीचे फायदे आणि तोटे सविस्तर लिहा. 10
८. भाषा अध्ययनाच्या विविध क्षमता लिहा. संस्कृतच्या विद्यार्थ्यांमध्ये शुध्द उच्चार विकसित करण्यासाठी कार्यानीति स्पष्ट करा. 10
९. खालीलपैकी कोणत्याही दोहोंवर थोडक्यात टीप लिहा. 10
 १. भाषण क्षमता विकसित करण्यासाठी कार्यनीति.
 २. संस्कृत अध्यापनात कोशांचे उपयोग
 ३. संस्कृत पाठ्यपुस्तकाची कोणतीही पाच आंतरिक वैशिष्ट्ये
 ४. उदगामी पध्दतीचे फायदे.

Q.P. Code :36525

[Time: 2 Hours]

[Marks: 60]

१. “भाषा अध्ययन के तत्व संस्कृत का अध्यापन सुगम करते हैं।” किन्हीं पाँच तत्वों के संदर्भ 10 में समर्थन किजिए।
२. संस्कृत भाषा में निदानात्मक परिक्षण तथा उपचारात्मक शिक्षा की आवश्यकता को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10
३. “कथाकथन विधि संस्कृत भाषा अध्यापन को प्रभावी बनती है।” कथाकथन विधि के महत्व 10 के संदर्भ में समर्थन किजिए।
४. माध्यमिक स्तर पर संस्कृत अध्यापन के उद्दिष्ट स्पष्ट किजिए। 10
५. “व्यक्ति के बौद्धिक और भावनिक विकास में संस्कृत भाषा सहाय्य करती है।” विस्तारपूर्वक 10 लिखिए।
६. प्रभावी संस्कृत शिक्षक की गुणों का वर्णन किजिए। संस्कृत शिक्षक व्यावसायिक विकास 10 किस तरह प्राप्त करेंगे?
७. पाठशाला विधि क्या है। इस पद्धति के गुण और दोषों को विस्तारपूर्वक लिखिए। 10
८. भाषा अध्ययन की विविध क्षमाताएँ लिखिए। संस्कृत छात्रों के शुद्ध उच्चार विकसित करने 10 के लिए कार्यनीति स्पष्ट किजिए।
९. निम्नलिखित में से किन्हीं दो को संक्षेप में लिखिए। 10
अ. भाषण क्षमता विकसित करने की कार्यनीतियाँ
ब. संस्कृत अध्यापन में कोशों का उपयोग
क. संस्कृत पाठ्यपुस्तक की किन्हीं पाँच आंतरिक विशेषताएँ
ड. उद्गामी विधि के लाभ
